दीपोत्सव की जगमगाहट में नहाया गुना शहर, रंगोली-रोशनी से सजीं गलियां

आतिशबाजी से देर रात तक रोशन रहा आसमान, बाजारों में दिनभर रही रौनक और भीड़भाड़

नवभारत न्यूज

गुना 21 अक्टू. का। दीपों का पर्व दीपावली सोमवार को जिलेभर में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही त्योहार की रौनक चारों ओर दिखाई दी। लोगों ने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों को सजाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शाम होते ही शहर का हर कोना दीपों की जगमग रोशनी में नहाया नजर आया।

शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी पूजन कर नागरिकों ने मां लक्ष्मी और भगवान गणेश से सुख, समृद्धि की कामना की। पूजन के बाद लोगों ने आतिशबाजी कर दीपोत्सव की खुशियां साझा कीं। देर रात तक सडकों पर लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

रंगोली और फूलमालाओं से सजा शहर का हर घर

दीपावली के पहले ही दिन से शहर में सजावट का सिलसिला शुरू हो गया था। घरों की दीवारें ताजे रंगों से चमक उठीं। लोगों ने द्वारों पर सुंदर रंगोलियां बनाईं और बंदनवारों से सजावट की। फूलमालाओं से सजे बाजारों ने त्योहार की रौनक को और बढ़ा दिया। जयस्तंभ चौराहा, बस स्टैंड, स्टेशन रोड सहित प्रमुख बाजारों में फूलों की दुकानों पर जबरदस्त भीड़ रही। सामान्य दिनों में 10 से 20 रुपए में बिकने वाली फूलमालाएं दीपावली पर 40 से 50 रुपए तक बिकीं, फिर भी लोगों ने पूजा और सजावट के लिए उत्साहपूर्वक खरीदी की।

सुबह से ही बाजारों में रही चहल-पहल

त्योहार की सुबह से ही शहर के बाजारों में भारी भीड़ रही। लोगों ने लक्ष्मी पूजन के लिए सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान और वाहन खरीदे। शो-रूम और दुकानों में ग्राहकों की कतारें लगी रहीं। शहर के जयस्तंभ चौराहा, सदर बाजार, हनुमान चौराहा और सिटी सेंटर जैसे इलाकों में पैर रखने की जगह नहीं थी। दोपहर तक लोग पूजा सामग्री, दीपक और मिठाइयों की खरीदारी में जुटे रहे। दुकानदारों के चेहरे पर भी खुशी झलक रही थी, क्योंकि दीपावली की बिक्री ने पूरे साल की मंदी को दूर कर दिया।

शुभ मुहूर्त में हुआ लक्ष्मी पूजन, गूंजे मंत्रोच्चार

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के छह शुभ मुहूर्त रहे। दोपहर बाद से शुरू हुआ यह शुभ समय देर रात तक चला। कार्यालयों, फैक्ट्रियों और प्रतिष्ठानों में दोपहर में पूजन हुआ, जबकि घरों में शाम के समय मां लक्ष्मी और गणेश की विधिवत आराधना की गई। पूजा के दौरान धनतेरस पर खरीदे गए सोने-चांदी के सिक्के और नए बर्तन भी पूजन में रखे गए। घरों में सुगंधित धूप, दीपक और पकवानों की खुशबू ने पूरे वातावरण को पावन बना दिया।

पुलिस रही सतर्क, यातायात व्यवस्था में नहीं आई बाधा

दीपावली के मौके पर शहर में भीड़भाड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। जयस्तंभ चौराहा, बस स्टैंड और सदर बाजार जैसे इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने लगातार वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की। कहीं भी जाम या अव्यवस्था जैसी स्थिति नहीं बनी।

आतिशबाजी से गूंजा आसमान, देर रात तक रही रौनक

लक्ष्मी पूजन के बाद बच्चों और युवाओं ने आतिशबाजी कर दीपोत्सव का आनंद लिया। आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। हर गली, हर मोहल्ले में दीपों की कतारें झिलमिलाती रहीं। देर रात तक नागरिक आतिशबाजी और रोशनी का आनंद लेते रहे। शहर का वातावरण खुशियों, मिठास और उमंग से भरा नजर आया।

कलेक्टर-एसपी ने जरुरतमंदों के बीच पहुंचकर मनाया दीपोत्सव, जनसंवेदनशील पहल ने जीता दिल

गुना। दीपावली जैसे राष्ट्रीय पर्व को जनकल्याण और सामाजिक सहभागिता से जोड़ते हुए जिला प्रशासन गुना ने एक अनुकरणीय पहल की मिसाल पेश की। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल एवं पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने संयुक्त रूप से विभिन्न संस्थानों और वंचित बस्तियों का भ्रमण कर वहां बच्चों, बुजुर्गों और समुदायजन के साथ दीपोत्सव मनाया। प्रशासन की इस जनसंवेदनशील पहल ने सभी का दिल जीत लिया।

मां स्वरूप शिशु आश्रम गृह में बच्चों को मिला स्नेह

इसके उपरांत दोनों अधिकारी मां स्वरूप शिशु आश्रम गृह पहुंचे, जहां बच्चों को फल और नए कपड़े वितरित किए गए। बच्चों ने उत्साहपूर्वक दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा, त्योहार का असली आनंद तभी है, जब इसे सभी के साथ मिलकर मनाया जाए।

सहरिया बस्ती में समस्याएं सुनीं, त्वरित समाधान

विनायकखेड़ी पहुंचकर कलेक्टर एवं एसपी ने सहरिया समुदाय से सीधा संवाद किया। ग्रामीणों ने पेयजल, स्वास्थ्य एवं आवास संबंधी समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने मौके पर ही संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि विशेष शिविर आयोजित कर प्राथमिकता से सभी समस्याओं का निराकरण किया जाए।

वृद्ध आश्रम में लिया आशीर्वाद

कैंट स्थित वृद्ध आश्रम पहुंचकर दोनों अधिकारियों ने वरिष्ठजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया। बुजुर्गों को फल एवं मिठाइयां वितरित की गईं। कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा, आप सभी के आशीर्वाद के बिना दीपावली का त्योहार अधूरा है, प्रशासन सदैव आपके साथ है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने भी अपने विचार रखे एवं वरिष्ठ नागरिकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

पुलिस एवं जवानों को शुभकामनाएं

दौरे के अंत में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक पुलिस लाइन पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस जवानों से भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन के साथ त्यौहार के समय भी सेवा देने वाले जवानों का योगदान सराहनीय और प्रेरणास्पद है। इस अवसर पर एसडीएम शिवानी पांडे, तहसीलदार कमल मंडेलिया, सीएससी प्रियंका मिश्रा सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय में बच्चों संग साझा कीं खुशियां

प्रशासनिक दल सबसे पहले जिला चिकित्सालय पहुंचा, जहां वार्डों में भर्ती बच्चों से मिलकर उन्हें फल एवं चॉकलेट वितरित की गईं। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने बच्चों का हालचाल जाना तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। चिकित्सालय में उपस्थित परिजनों ने इस मानवीय पहल के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

गोवर्धन पूजन के साथ हुआ दस दिवसीय अन्नकूट महोत्सव का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

गुना। दीवाली के एक दिन बाद मनाया जाने वाला गोवर्धन पूजा का शुभारंभ मंगलवार से हुआ। इस मौके पर पुष्टिमार्गीय केंद्रों एवं मंदिरों में भगवान गोवर्धन नाथ जी की पूजन की गई। इसी के साथ अंचल में दस दिवसीय अन्नकूट महोत्सव की श्रृंखला गोवर्धन पूजन के साथ प्रारंभ हुई। पुष्टिमार्गीय केंद्रों सहित अंचल के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी का आनंद लिया। अंचल में अन्नकूट के प्रथम दिवस प्रमुख पुष्टि भक्ति केंद्रों पर अन्नकूट मनोरथ में भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। विराट हिन्दू उत्सव उत्सव समिति के संस्थापक एवं अंतर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय परिषद मप्र के प्रांतीय प्रचार प्रमुख कैलाश मंथन ने बताया कि विगत एक दशक से हमारा प्रयास रहा है कि अधिक से अधिक स्थानों पर नर सेवा नारायण सेवा हो सके, इस भावना के साथ अन्नकूटों के आयोजनों को बढ़ावा दिया गया। प्रत्येक वर्ष नई बस्तियों, मंदिरों, निजी संस्थानों, धार्मिक ट्रस्टों के माध्यम से अन्नकूट महोत्सव के दौरान लाखों लोग महाप्रसादी का आनंद लेते हैं। हिउस प्रमुख कैलाश मंथन के मुताबिक संपूर्ण समाज का दायित्व है कि समग्र समाज अब जाग्रत होकर अभावग्रस्त मानवता की चिंता करे। दस दिवसीय अन्नकूट महोत्सव के दौरान विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग प्राणी मात्र के हृदय में विराजमान भगवान को लगाना ही अन्नकूट है। हिउस प्रमुख अध्यक्ष कैलाश मंथन के मुताबिक अंचल में 500 से अधिक छोटे-बड़े अन्नकूट शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संपन्न होते हैं। गुना शहर में ही सौ से अधिक स्थानों, बस्तियों, पर अन्नकूट भंडारों में हजारों लोग महाप्रसादी ग्रहण करते हैं। अन्नकूट महोत्सव के पीछे यही भावना रहती है कि हर प्राणी को प्रभु की महाप्रसादी प्राप्त हो। एक अनुमान के मुताबिक अंचल में पांच लाख से अधिक श्रद्धालु अन्नकूट महोत्सव के दौरान महाप्रसाद ग्रहण करते हैं।अंतर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद के जिला संयोजक कैलाश मंथन ने बताया कि वैष्णव मंदिरों, सत्संग मंडलों एवं पुष्टिमार्गीय केंद्रों पर श्री ठाकुरजी को 56 भोग लगाए जाते हैं। इस दौरान अन्नकूटों में हजारों लोगों द्वारा महाप्रसादी ग्रहण की जाती है। बमोरी क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक गांवों में अन्नकूटों का आयोजन वैष्णव समुदाय द्वारा आयोजित होंगे।

गुरूवार 23 अक्टूबर को भाईदूज पर रहेगा स्थानीय अवकाश

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा वर्ष 2025 के लिये गुना जिले के लिए तीन स्थानीय अवकाश घोषित किये गए है। जारी घोषित स्थानीय अवकाश के तहत भाईदूज (दीपावली) 23 अक्टूबर 2025 गुरूवार को जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। उक्त अवकाश जिले के कोषालय/उप कोषालय के लिये लागू नही रहेगा। शनिवार को धनतेरस, रविवार, सोमवार को दीपावली एवं गोवर्धन पूजन की छुटट्री के बाद एक दिन बुधवार को छोडकर गुरूवार को गुना जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। इस तरह से दीपावली पर्व के चलते यह पूरा सप्ताह ही छुट्टियों में निकल गया।

लक्ष्मी पूजन कर मनाया सेवाभारती ने महापर्व दिवाली उत्सव

गुना। अंधकार पर प्रकाश की विजय के महापर्व दीपावली के शुभ अवसर पर सेवाभारती अन्नपूर्णा भोजनालय में महालक्ष्मी जी का विधिवत पूजन-अर्चन एवं श्रद्धा और भक्ति भाव से दीपावली उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गुना विभाग प्रचारक नितिन अग्रवाल, जिला संघ चालक गिर्राज अग्रवाल सहित अन्नपूर्णा भोजनालय अध्यक्ष काशीराम ऊरैया, भंवरलाल पंत, जगदीश अग्रवाल, निखिल मंगल, विधि एवं विहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विधिवत पूजन पंडित भोला शंकर भार्गव द्वारा संपन्न कराया गया। इस पुण्य अवसर पर सेवाभाव की मिसाल पेश करते हुए आदरणीय मोतीलाल राठौर ने अन्नपूर्णा भोजनालय में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों की भोजन व्यवस्था को सुगम बनाने हेतु रोटी मेकिंग मशीन प्रदान की गई। वहीं रोटी लोई एवं आटा गूंथने की मशीन हेतु सत्योगी अम्मरीश कस्तवार, प्रताप सिंह परिहार, प्रभात गोंडल एवं डॉ. एम.एल. मंगल द्वारा आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। साथ ही भोजनालय परिसर में टाइल्स कार्य हेतु भी सहयोग राशि दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी सेवादारों को गिफ्ट भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. रामवीर सिंह, रघुवंशी, अखिलेश विजयवर्गीय, विकास जैन, प्रेमी राठौर, आशीष मंगल, चंद्रेश जैन, सचिन सोनी, फणीन्द्र चक्रवर्ती, नरेंद्र जी राठौर सहित सेवाभारती परिवार एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 29 को

गुना। सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्देशन एवं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे के मार्गदर्शन में प्रत्येक माह निर्धारित दिवस को युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के समन्वय व सफल आयोजन के लिए कलेक्टर श्री कन्याल द्वारा जारी आदेशानुसार सम्बंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई हैं। इसी क्रम में जिला रोजगार अधिकारी बीएस मीना ने बताया कि सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग,उच्च शिक्षा विभाग,राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वय से जिला स्तर पर 29 अक्टूबर 2025 शासकीय आईटीआई राघौगढ़ जिला गुना में प्रात: 11 बजे से जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें एक ही मंच पर रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के लिए अवसर उपलब्ध कराने आकांक्षी युवाओं को लाभान्वित किया जाता है। इसमें प्रदेश की निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनिया शामिल होंगी। साक्षात्कार द्वारा निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जावेगा।

तीन दिन से गायब अधेड़ का शव कुएं में मिला,हत्या की आशंका

गुना। जिले के मधुसूदनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम सीतलपुर में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक अधेड़ व्यक्ति का शव गांव के कुएं में तैरता हुआ मिला। मृतक की पहचान नारायण सिंह पिता मांगीलाल खंगार निवासी सीतलपुर के रूप में हुई है। शव के हाथ-पैर बंधे हुए मिलने से ग्रामीणों में हत्या की आशंका गहराने लगी है। घटना की सूचना सुबह ही पुलिस को दे दी गई थी, लेकिन पुलिस के मौके पर देर से पहुंचने पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। मृतक पिछले तीन दिनों से लापता था। इस दौरान घंटों तक गुना-जंजाली मार्ग पर जाम लगा रहा। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मधुसूदनगढ़ इलाके के शीतलपुर गांव में मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के ही एक कुएं में शव उतराता हुआ देखा। सूचना मिलते ही मधुसूदनगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। शव की पहचान गांव के ही नारायण सिंह (45) पुत्र मांगीलाल खंगार के रूप में हुई। शव के हाथ-पैर बंधे हुए थे। उनका आरोप है कि यदि पुलिस समय रहते कार्रवाई करती, तो शायद यह हत्या टल सकती थी।

इनका कहना है

नारायण सिंह तीन दिन से लापता था। आज सुबह उसकी बॉडी ग्रामीणों को कुएं में दिखी। बॉडी को बाहर निकलवाया गया है। परिवार वाले कुछ लोगों पर हत्या की आशंका जता रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर चक्काजाम खुलवाने का प्रयास कर रही है।

संदीप यादव
मधुसूदनगढ़ थाना प्रभारी

लक्ष्मी पूजन के मौके पर सूना पड़ा घर बना आग का शिकार, जेवरात सहित लाखों का नुकसान

गुना। दीपावली की रात जहां पूरा शहर दीपों की रोशनी में झिलमिला रहा था, वहीं मधुसूदनगढ़ में एक परिवार के लिए यह रात आफत बनकर आई। कृषि उपज मंडी के पीछे स्थित पालीवाल परिवार के घर में सोमवार देर रात अचानक आग लग गई, जिससे घर के अंदर रखी नकदी, जेवर और घरेलू सामान जलकर खाक हो गए। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, क्योंकि परिवार के सदस्य लक्ष्मी पूजन के लिए अपने गांव गए हुए थे। मिली जानकारी के अनुसार, गोपाल पालीवाल अपने परिवार के साथ गांव में देवी-देवताओं की पूजा में शामिल होने गए थे। इसी दौरान घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के लोगों ने धुआं उठते देखा तो तत्काल पड़ोसियों को बुलाया और किसी तरह पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। सूचना मिलने पर पालीवाल परिवार मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाने में जुट गया। तब तक घर के अधिकांश सामान जल चुके थे।

आग में करीब एक लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण और घरेलू सामग्री पूरी तरह नष्ट हो गई। अनुमानित दो लाख रुपये से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है।

नमन कर्तव्य पथ पर शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में गुना पुलिस लाइन में आयोजित हुआ श्रद्धांजलि समारोह

स्मृति दिवस पर वीर शहीदों के साहस और बलिदान को नमन

नवभारत न्यूज

गुना । 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख की पहाडियों पर चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 10 वीर जवान शहीद हुए थे । इन अमर शहीदों की स्मृति में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को 'पुलिस स्मृति दिवस' के रूप में पूरे देश में श्रद्धा एवं गौरव के साथ मनाया जाता है।

इसी क्रम में मंगलवार को जिले में पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के दिशा-निर्देशन में लाल परेड मैदान स्थित शहीद स्मारक परिसर में पुलिस स्मृति दिवस समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 9 बजे हुआ, जिसमें जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक, न्यायिक एवं पुलिस अधिकारीगण सहित जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी द्वारा वर्ष 2024-25 के दौरान देशभर में कर्तव्य निर्वहन करते हुए शहीद हुए कुल 191 अमर जवानों के नामों का वाचन किया गया । इन शहीदों में मध्यप्रदेश पुलिस के 11 वीर सपूतों निरीक्षक संजय पाटक, निरीक्षक रमेश कुमार धुर्वे, सउनि रामचरण गौतम, सउनि महेश कुमार कोरी, प्रधान आरक्षक संतोष कुशवाह, प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग, प्रधान आरक्षक अभिषेक शिंदे, प्रधान आरक्षक गोविंद पटेल, आरक्षक अनुज सिंह, आरक्षक सुंदर सिंह बघेल एवं 11-आरक्षक अनिल यादव शामिल हैं।

शहीदों के नामों के वाचन उपरांत सूची को शहीद स्मारक पर रखकर शोक परेड व सलामी के साथ उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि व्यक्त की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक गुना पन्नालाल शाक्य, अपर सत्र न्यायाधीश आरके रघुवंशी, गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, सैनानी एसएएफ विकास पाटक, एएसपी मान सिंह ठाकुर, सीएसपी प्रियंका मिश्रा, एसडीओपी गुना विवेक अष्ठाना, डीएसपी मुख्यालय जमील उद्दीन सिद्दीकी, होमगार्ड कमांडेंट आरके पथरौल, रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय सहित पुलिस विभाग एवं अन्य शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

साथ ही जिला भाजपा अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार द्वारा भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने कहा कि हमारे शहीद साथियों ने अपने कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान दिया है।

उनके अदम्य साहस, निष्ठा और देशप्रेम को हम नमन करते हैं। पुलिस परिवार सदैव उनके परिवारों के साथ खड़ा है।

लेन-देन के विवाद में युवक पर लाठी-डंडों से हमला, दो आरोपियों पर मामला दर्ज

गुना। आरोन थाना क्षेत्र के ग्राम बखान में दीवाली की देर रात रुपये के लेन-देन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया। विवाद के दौरान आरोपियों ने युवक के सिर पर लाठी से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। फरियादी धर्मेंद्र धाकड़ पुत्र बादल सिंह धाकड़ (29) निवासी बखान ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात करीब 10.30 बजे गोविंद धाकड़ ने उसे पुराने रुपये के लेन-देन के मामले में बुलाया। जब वह गोविंद के घर पहुंचा तो वहां गोविंद और देवेंद्र धाकड़ मौजूद थे। बातों ही बातों में विवाद बढ़ा,दोनों ने गालियां देना शुरू कर दीं। जब धर्मेंद्र ने गाली देने से मना किया तो देवेंद्र ने लाठी से वार किया, जिससे उसके सिर में चोट लगी और खून बहने लगा। वहीं गोविंद ने लात-घूंसों से हमला कर पेट और कंधे पर चोट पहुंचाई।

दिवाली की रात भी फर्ज पहले, डॉ . राजपूत की सूझबूझ से बची नौ महीने की गर्भवती महिला की जान

गुना। दिवाली की छुट्टियों के बीच जहां अधिकांश लोग अपने घरों में त्योहार मना रहे थे, वहीं जिला अस्पताल गुना की स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की टीम ने मानवीय सेवा का उदाहरण पेश किया। डॉक्टरों ने इमरजेंसी में एक अत्यंत जटिल ऑपरेशन कर नौ महीने की गर्भवती महिला की जान बचा ली। जानकारी के अनुसार ग्राम सुजाखेड़ी निवासी निकिता पत्नी सोनू यादव को रविवार की शाम करीब 5:30 बजे गंभीर प्रसव पीड़ा के चलते जिला अस्पताल लाया गया था। मरीज की जांच करने पर स्पष्ट हुआ कि गर्भ में पल रहा शिशु पहले ही मृत हो चुका था और वह गर्भ में फंसा हुआ था, जिसके कारण सामान्य प्रसव संभव नहीं था। प्रसूता का ब्लड प्रेशर लगातार गिरता जा रहा था और बच्चेदानी फटने की आशंका बढ़ती जा रही थी। स्थिति इतनी गंभीर थी कि किसी भी क्षण मरीज की जान जा सकती थी। ऐसे में जिला अस्पताल के गायनाकोलॉजिस्ट डॉ. सतीश सिंह राजपूत ने तत्काल सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र रघुवंशी को स्थिति से अवगत कराया और उनके मार्गदर्शन में मरीज के परिजनों की सहमति लेकर तत्काल सर्जरी का निर्णय लिया गया। ऑपरेशन शुरू होते ही सामने आया कि बच्चेदानी वास्तव में फट चुकी थी और रक्तस्राव तेजी से हो रहा था। डॉक्टरों की टीम ने बिना देर किए मृत शिशु को बाहर निकाला और एक यूनिट खून चढ़ाकर प्रसूता की जान बचाई। इस दौरान डॉ. सतीश सिंह राजपूत के साथ एनेस्थेटिस्ट डॉ. रुचि राणा, डॉ. दिव्या बारेला, नर्सिंग स्टाफ नीरमा, नेहा, नगमा और वार्ड बॉय सुरेखा व नाईम की टीम ने पूरे समर्पण से काम किया। सभी ने त्योहार की छुट्टियों में भी अपनी ड्यूटी को सर्वोपरि रखते हुए प्रसूता की जान बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। डॉ. सतीश सिंह ने बताया कि यह केस अत्यंत गंभीर था, क्योंकि मृत शिशु नौ महीने का था और बच्चेदानी फटने की स्थिति में मरीज को बचाना बेहद कठिन होता है। उन्होंने कहा, टीम के सामूहिक प्रयास और सही समय पर लिए गए निर्णय से प्रसूता को सुरक्षित बचाया जा सका। पूर्व में भी डॉ. सतीश सिंह राजपूत ने जिला अस्पताल में कई जटिल प्रसव सफलतापूर्वक कराए हैं, जिनमें जच्चा और बच्चा दोनों की जान बचाई गई है।

इस बार भी उन्होंने और उनकी टीम ने यह साबित कर दिया कि सच्ची सेवा वही है, जो जरूरत के समय की जाए—चाहे त्योहार हो या छुट्टी का दिन।